(5)

बायो - डाटा

नाम - डा० भानु प्रताप सिंह

पिता का नाम - स्व० श्री रमा शंकर सिंह

जन्म तिथि - 01 - 01 - 1960

पता - 1/8 काशी कन्या कुण्ड
निकट - कचहरी बस स्टेशन
सीविल लाइन
जिला — गोरखपुर

शैक्षिक योग्यता -

परीक्षा का नाम	बोर्ड / संस्था	वर्ष	पूर्णांक	प्राप्तांक
हाई स्कूल	यू. पी. बोर्ड	1977	500	230
इन्टर	"	1979	500	242
बी. ए.	गो० विश्व विद्यालय गोरखपुर	1981	900	458
बी. एड.	"	1991	500 200 (प्रयोगात्मक)	350 150
एम. एड.	"	1996	700	459
एम. ए. (राजनीतिशास्त्र)	"	1989	1000	598
पी. एच. डी.	—	2002		

प्राचार्य
चौधरी चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय
पदमापुर, पाण्डव नगर - बस्ती

प्रार्थी
डा० भानु प्रताप सिंह

१६७७

हाई स्कूल

महीप नारायण शाही जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महावीर छपरा, गोरखपुर

संख्या ......२८......

दिनांक ४-८-६८

परिषद् द्वारा संचालित १९६८ की हाई स्कूल परीक्षा में संस्थागत/व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में सम्मिलित भानु प्रताप सिंह

......अनुक्रमांक ७५०१६२०...... द्वारा प्राप्तांकों का विवरण......

...का नाम क्रे साहित्यिक

परीक्षार्थी द्वारा लिये गये विषयों के नाम	विषय के लिए निर्धारित अङ्क	प्रथम प्रश्न पत्र	द्वितीय प्रश्न पत्र	तृतीय प्रश्न पत्र	चतुर्थ प्रश्न पत्र	योग	क्रियात्मक प्रथम	क्रियात्मक द्वितीय	विषय योग	कुल योग	परीक्षाफल (इस स्तम्भ की अनावश्यक प्रविष्टियां काट दी जाय)
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
(१) हिन्दी	१००	१८	१६	१२	—	४८				४८	उत्तीर्ण श्रेणी द्वितीय
(२) गणित/सामान्य गणित/~~गृह विज्ञान~~	१००	१८	[illegible]	—	—	३३				३३	विशेष योग्यता ...... कृपांक ......
(३) नाग०	१००	२४	२३	—	—	४६				४६	अनुत्तीर्ण ......
(४) ~~[illegible]~~	१००	२२	२३	—	—	४५				४५	पूरक परीक्षा का अधिकारी है ......
(५) संस्कृत	१००	[illegible]	[illegible]	—	—	५६				५६	स्वतः परिनिरीक्षण का अधिकारी है ......
(६)											

सम्पूर्ण प्राप्तांक (शब्दों में) [illegible] (अंकों में) २३०

परीक्षाफल के सम्बन्ध में आवश्यक सूचना

(१) प्रत्येक विषय न्यूनतम या उत्तीर्णाङ्क ३३ प्रतिशत है। जिन विषयों में लिखित एवं क्रियात्मक परीक्षा के लिए न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क विवरण पत्रिका (Prospectus) में निर्धारित है, उनमें परीक्षार्थी को उत्तीर्ण होने के लिये दोनों में अलग-अलग न्यूनतम अङ्क प्राप्त करना अनिवार्य है।

(२) विशेष योग्यता पाने के लिये किसी विषय के सम्पूर्ण प्राप्तांक योग में ७५ प्रतिशत अङ्क प्राप्त करना आवश्यक है।

(३) प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी होने के लिये सम्पूर्ण योग कम से कम क्रमशः ६०, ४५ एवं ३३ प्रतिशत होना चाहिए।

(४) यदि कोई परीक्षार्थी सम्पूर्ण परीक्षा में सम्मिलित हुआ है तथा केवल एक विषय में अनुत्तीर्ण है, तो वह पूरक परीक्षा का अधिकारी है।

(५) पूरक परीक्षा के योग्य घोषित होने वाले सभी परीक्षार्थी स्वतः परिनिरीक्षण के अधिकारी नहीं होंगे। केवल ये परीक्षार्थी, जो केवल एक विषय में २८ प्रतिशत अथवा उससे अधिक अङ्क प्राप्त करने पर अनुत्तीर्ण घोषित किये गये हैं पूरक परीक्षा के अधिकारी होने के साथ ही साथ स्वतः परिनिरीक्षण के अधिकारी भी होंगे। उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का परिनिरीक्षण बिना शुल्क के ही किया जायेगा। अतः उन्हें अतिरिक्त शुल्क जमा करने की आवश्यकता नहीं है। फिर भी यदि वे इसके लिए शुल्क जमा कर देंगे तो उसे लौटाया नहीं जायगा।

प्रबन्धक
चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय
...पुर - पाण्डव नगर बस्ती (यूपी.)

प्राचार्य
चौधरी चरण सिंह स्नातकोत्तर महावि
पदमापुर, पाण्डव नगर - बस्ती

क्रम-संख्या 39502

माध्यमिक शिक्षा परिषद् उत्तर प्रदेश

हाई स्कूल परीक्षा, १९७७

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी/परीक्षार्थिनी ... जिसका ... अभिलेखानुसार विवरण ... १९७७ की हाई स्कूल परीक्षा में द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण की है ... में विशेष योग्यता प्राप्त की है।

... प्रताप सिंह

... पिता का नाम श्री ... शंकर सिंह (१-७-१९६०)

... जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महावीर छपरा, गोरखपुर

परीक्षा-विषय ...

नागरिक शास्त्र

अर्थ शास्त्र

(रघुनन्दन सिंह)

सचिव।

प्रबन्धक

चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय

पड़नापुर - पाण्डव नगर बस्ती (यूपी.)

प्राचार्य

चौधरी चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय

पदमापुर, पाण्डव नगर - बस्ती

[illegible] परीक्षा, १९७९

माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद

महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, गोरखपुर

दिनांक १२. ६. ७९

[illegible] परीक्षार्थी [illegible] अनुक्रमांक ४५७६६८

द्वारा परिषद की इण्टरमीडिएट परीक्षा [illegible] विषयों में प्राप्त किये गये अंकों का विवरण

वर्ग क

परीक्षार्थी [illegible]	विषय के निर्धारित अंक	प्रथम प्रश्न पत्र	द्वितीय प्रश्न पत्र	तृतीय प्रश्न पत्र	अनुयोग	क्रियात्मक	आशुलिपि हिन्दी अ०/जी	वाणिज्य प्रथम [illegible] लिखित	क्रियात्मक	आशुलिपि हि०/अं० प्रथम प्रश्न पत्र	द्वितीय प्रश्न पत्र	अनुयोग	टंकण हिन्दी/अंग्रेजी प्रथम प्रश्न पत्र	द्वितीय प्रश्न पत्र	तृतीय प्रश्न पत्र	चतुर्थ प्रश्न पत्र	अनुयोग	विषय योग
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९
[illegible]	100	[illegible]	[illegible]	[illegible]														४८
[illegible]	100	[illegible]	[illegible]															४५
[illegible]	100	[illegible]	२८		[illegible]													४३
[illegible]	100	[illegible]	१८	२२	[illegible]													५६
[illegible] (मौ०)	100	२[illegible]	२६		[illegible]													५०
६–																		

सम्पूर्ण प्राप्तांक [illegible] अंकों में [illegible] ([illegible] पचास)

परीक्षाफल प्रथम द्वितीय तृतीय श्रेणी या अनुत्तीर्ण	[illegible]	[illegible]	यदि [illegible] उल्लेख कीजिए	क्या पूरक परीक्षा का अधिकारी है ? यदि हो तो विषय	क्या निःशुल्क संवीक्षा का अधिकारी है ?
द्वितीय	×	×	×	×	×

नोट—प्राप्तांक के आधार पर परीक्षाफल का निर्णय ठीक हुआ है अथवा नहीं इसकी जाँच परीक्षार्थी नीचे [illegible] और यदि कोई त्रुटि हो तो प्रधानाचार्य/केन्द्र व्यवस्थापक [illegible] निराकरण [illegible], अन्यथा भूल सुधार में विलम्ब हो सकती है, [illegible] परीक्षार्थी [illegible] होगा। [illegible] में जाँच के फलस्वरूप यदि कोई त्रुटि [illegible] सूचना तुरन्त ही प्रधानाचार्य/केन्द्र व्यवस्थापक को दी जायेगी और वे सम्बन्धित परीक्षार्थी को इसकी सूचना देंगे।

परीक्षाफल सम्बन्धी नियम:—

(१) प्रत्येक विषय के न्यूनतम उत्तीर्णांक ३३% है। जिन विषयों में क्रियात्मक परीक्षा होती है उनमें लिखित तथा क्रियात्मक परीक्षा के लिए अलग-अलग न्यूनतम उत्तीर्णांक निर्धारित है।

(२) उत्तीर्ण होने के लिये निर्धारित न्यूनतम अंक से कम अंक नहीं होने चाहिये। निर्धारित न्यूनतम उत्तीर्णांक से कम होने पर प्राप्तांक वृत्त के भीतर किये जाते हैं।

(३) किसी विषय में [illegible] विशेष योग्यता मिलती है। सम्पूर्ण योग का ७५% प्राप्तांक होने पर सम्मान सहित उत्तीर्ण घोषित होता है।

(४) प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण होने के लिये प्राप्तांक योग सम्पूर्ण निर्धारित अंकों का क्रमशः ६०, ४५ एवं ३३% होना चाहिये।

(५) यदि कोई परीक्षार्थी सम्पूर्ण परीक्षा में सम्मिलित हुआ है तथा वह केवल एक विषय में अनुत्तीर्ण है तो वह उस विषय में पूरक परीक्षा का अधिकारी होगा।

(६) पूरक परीक्षा के योग्य घोषित होने वाले सभी परीक्षार्थी स्वतः सन्निरीक्षा के अधिकारी नहीं होंगे। केवल वे परीक्षार्थी जो [illegible] अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने पर भी अनुत्तीर्ण घोषित किये गए है वे पूरक परीक्षा के अधिकारी घोषित होने के साथ ही साथ स्वतः सन्निरीक्षा के अधिकारी होंगे। इनकी उत्तर पुस्तकों की सन्निरीक्षा निःशुल्क होगी।

बनाने वाले के हस्ताक्षर [illegible]

जाँचकर्ता के हस्ताक्षर [illegible]

प्रबन्धक

चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय

पद्म पुर - पाण्डव नगर बस्ती (यू०पी०)

प्रधानाचार्य १२/६/७९ (कृ० प० उ०)

प्रधानाचार्य,

महाराणा प्रताप इण्टर कालेज

प्राचार्य

अनुक्रमांक २५८६६६

क्रम-संख्या १५५६५१

माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश

माध्यमिक शिक्षा परिषद
उत्तर प्रदेश

इण्टरमीडिएट परीक्षा, १९७९

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी/परीक्षार्थिनी, जिसका अभिलेखानुसार विवरण निम्नवत् है, ने मार्च-अप्रैल, १९७९ की इण्टरमीडिएट परीक्षा द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण की है और ——— में विशेष योग्यता प्राप्त की है।

नाम भानु प्रताप सिंह

पिता का नाम श्री रमा शंकर सिंह

विद्यालय/केन्द्र का नाम महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कालेज, गोरखपुर

परीक्षा-विषय :—

१—साहित्यिक हिन्दी/सामान्य हिन्दी	४ संस्कृत
२ अर्थशास्त्र	५ इतिहास (भारतीय)
३ नागरिक शास्त्र	६ ×

इलाहाबाद :

दिनांक ८ जुलाई, १९७९ ई० ।

(बी० पी० खण्डेलदाल)
सचिव।

प्राचार्य
चौधरी चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय
पदमापुर, बाध्व नगर - बस्ती

प्रबन्धक
चरण सिंह महाविद्यालय

सेण्ट ऐण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर

(गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध)

№ 1635

अनुक्रमांक 100146

1981 परीक्षा की अंकतालिका (द्वितीय)

बी० ए०/~~बी० एस-सी०~~ भाग द्वितीय

क्रमांक

अभ्यर्थी का नाम भानु प्रताप सिंह

नामांकन संख्या

परीक्षा केन्द्र सेण्ट ऐण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर

संस्थागत/~~भूतपूर्व/व्यक्तिगत~~

विषय	उच्चतम अंक	न्यूनतम अंक	प्राप्तांक: प्रश्न पत्र प्रथम	प्रश्न पत्र द्वितीय	प्रश्न पत्र तृतीय	योग सिद्धान्त	प्रयोगात्मक	पूर्ण योग	परीक्षाफल
१–सामान्य हिन्दी	100	25							ये अंक सम्पूर्ण योग में नहीं जोड़े जायेंगे।
२–सामान्य अंग्रेजी	100	25						—	
३–								—	
१– शिक्षा शास्त्र	150	50	41	32		73		73	उत्तीर्ण/~~अनुत्तीर्ण~~
२– अर्थ शास्त्र	150	50	42	38		80		80	श्रेणी द्वितीय
३– राज० शास्त्र	150	50	48	27		75		75	कृपांक X पूरक परीक्षा विषय X

योग	228	450
भाग १ के प्राप्तांक	230	450
भाग १ एवं २ का सम्पूर्ण योग	458	900

शब्दों में चार सौ अट्ठावन मात्र

हस्ताक्षर लेखक

हस्ताक्षर पर्यवेक्षक

दिनांक 17.1.1995

मुद्रित : १०००/वर्ष–१६६५

आचार्य
सेण्ट एण्ड्रयूज कालेज
गोरखपुर

प्रबन्धक
चौधरी चरण सिंह महाविद्यलय
पड़मापुर - पाण्डव नगर बस्ती (यूपी.)

प्राचार्य
चौधरी चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्याल

अनुक्रमांक १००१४६

क्रमांक № 000526

गोरखपुर विश्वविद्यालय

बैचलर आफ आर्ट्स

प्रमाणित किया जाता है कि भानु प्रताप सिंह (सेण्ट एण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर) ने इस विश्वविद्यालय से १९८१ की परीक्षा में बैचलर आफ आर्ट्स की उपाधि द्वितीय श्रेणी में प्राप्त की।

परीक्षा के विषय :-

१. शिक्षाशास्त्र
२. अर्थशास्त्र
३. राजनीतिशास्त्र
४. ×

गोरखपुर विश्वविद्यालय

दिनांक विजयादशमी ८ अक्टूबर, १९८१

प्रबन्धक
चौधरी चरण सिंह म. विद्यालय
...पुर - ... नगर ... (बु.)

REGISTRAR
कुलपति
21.5.97

प्राचार्य

नुक्रमांक १०५८६६७

क्रमांक 138

गोरखपुर विश्वविद्यालय

मास्टर आफ एजूकेशन

प्रमाणित किया जाता है कि भानु प्रताप सिंह

ने इस विश्वविद्यालय से १९९६ की परीक्षा

मास्टर आफ एजूकेशन की उपाधि प्रथम

श्रेणी में प्राप्त की।

गोरखपुर विश्वविद्यालय
विजयादशमी
दिनांक २१ अक्टूबर, १९९६

प्रबन्धक
[illegible] चरण सिंह महाविद्यालय
बड़म पुर-पाण्डव नगर बस्ती (यूपी.)

प्राचार्य
चौधरी चरण सिंह [illegible]

Rtcamis/..
कुलपति
15.10.97

Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur University
Gorakhpur

062

आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः
DDU GORAKHPUR UNIVERSITY

PROVISIONAL CERTIFICATE

This is to certify that Sri/Km/Smt. Bhanu [illegible] Singh

S/o D/o W/o Sri [illegible] Shankar Singh has qualified

for the award of the Ph. D/D. litt. Degree in (Education)

of this University vide notification No. [illegible]/2002 dated [illegible] 2002

The topic of his/her research work was " [illegible] "

REGISTRAR

[illegible]

प्रबन्धक
चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय
पड़रापुर - पाण्डव नगर बस्ती (यू.पी.)

प्राचार्य
चौधरी चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय
.पदमापुर, पाण्डव नगर - बस्ती

सेन्ट ऐन्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर

(गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर से सम्बद्ध)

अनुक्रमांक 3029

19 83 परीक्षा की अंकतालिका

क्रमांक 439

एम० ए० अन्तिम वर्ष राजनीतिशास्त्र

नामांकन संख्या

प्रत्याशी का नाम [illegible] सिंह ..... संस्थागत/भूतपूर्व/व्यक्तिगत

परीक्षा केन्द्र सेन्ट ऐण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर

प्रश्न पत्र	अधिकतम अंक	प्राप्तांक
१ आधुनिक राजनीतिक विचार	100	57
२ 1919 से अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध	100	58
३ अन्तर्राष्ट्रीय कानून	100	41
४ अन्तर्राष्ट्रीय संगठन	100	45
५ राजनीतिक निबन्ध	100	62
६ मौखिक परीक्षा	100	36
योग	600	302
योग प्रथम वर्ष	400	296
सम्पूर्ण योग	1000	598

परीक्षा फल
उत्तीर्ण
श्रेणी II
~~अनुत्तीर्ण~~

हस्ताक्षर लेखक [signature]
हस्ताक्षर पर्यवेक्षक [signature]
दिनांक 9 AUG 1984

[signature]
आचार्य
सेन्ट ऐण्ड्रयूज कालेज
गोरखपुर

[signature]
प्रबन्धक
चौधरी चरण सिंह म० विद्यालय
पदमापुर - पाण्डव नगर बस्ती (उ०प्र०)

[signature]
प्राचार्य
चौधरी चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय
पदमापुर, पाण्डव नगर - बस्ती

मांक ३०३६

क्रमांक

3031

गोरखपुर विश्वविद्यालय

आनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः
गोरखपुर विश्वविद्यालय

मास्टर आफ आर्टस्

प्रमाणित किया जाता है कि भानु प्रताप सिंह

(सेन्ट ऐण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर)

ने इस विश्वविद्यालय से १९८३ की परीक्षा में मास्टर आफ आर्टस् की उपाधि राजनीतिशास्त्र विषय में द्वितीय श्रेणी में प्राप्त की।

प्रबन्धक
चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय
पड़मेपुर - पाण्डव नगर बस्ती (यू.पी.)

गोरखपुर विश्वविद्यालय
विजयादशमी
दिनांक ____ १९८३

कुलपति

प्राचार्य
चौधरी चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय
पदमापुर, पाण्डव नगर - बस्ती

जवाहर लाल नेहरू स्मारक पोस्ट ग्रेजुएट कालेज महाराजगंज, गोरखपुर

(सम्बद्ध गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर उ० प्र०)

१९९/ परीक्षा अंक तालिका

बी० एड्०

क्रमांक 157 अनुक्रमांक 20642

अभ्यर्थी का नाम भानु प्रताप सिंह आत्मज श्री आर० एस० सिंह नामांकन संख्या

	सिद्धान्त: प्रथम प्रश्न-पत्र – शिक्षण एवं अधिगम का मनोविज्ञान	सिद्धान्त: द्वितीय प्रश्न-पत्र शिक्षा के सिद्धान्त	सिद्धान्त: तृतीय प्रश्न पत्र शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन तथा प्रारम्भिक सांख्यिकी	सिद्धान्त: चतुर्थ प्रश्न-पत्र शैक्षिक प्रशासन एवं स्वास्थ्य शिक्षा	सिद्धान्त: पंचम प्रश्न पत्र अध्यापन के मूल्य तत्व तथा विद्यालयीय विषयों की शिक्षण विधियाँ	सिद्धान्त योग	परीक्षाफल सिद्धान्त (श्रेणी के साथ)	प्रयोगात्मक: प्राप्तांक	प्रयोगात्मक: परीक्षाफल प्रयोगात्मक (श्रेणी के साथ)	विशेषीकरण सम्पूर्ण योग में इस प्राप्तांक को न जोड़े: सिद्धान्त	सेसनल	योग सिद्धान्त तथा सेसनल	प्रयोगात्मक	यदि विशेषीकरण में अभ्यर्थी उत्तीर्ण है तो उस विषय का नाम अंकित करें।
	प्रथम प्रश्न-पत्र	द्वितीय प्रश्न-पत्र	तृतीय प्रश्न-पत्र	चतुर्थ प्रश्न-पत्र	पंचम प्रश्न-पत्र									
अधिकतम अंक	100	100	100	100	100	500		200		75	25	100	75	
न्यूनतम अंक	30	30	30	30	30	150		~~100~~ 72				48	48	
प्राप्तांक	75	68	86	61	60	350	I	150	I	—	—	75	—	—

हस्ताक्षर लेखक [signature]

दिनांक 8/8/95

प्रबन्धक
चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय,
पुर - पाण्डव नगर बस्ती (यूपी.)

हस्ताक्षर पर्यवेक्षक [signature]

(~~प्रधानाचार्य~~) प्राचार्य
8.8.95
प्राचार्य
ज० ले० स्मा० पोस्ट ग्रेजुएट कालेज

प्राचार्य
चौधरी चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय
पदमपुर, पाण्डव नगर - बस्ती

17

क्रमांक २०६४२

298

क्रमांक

गोरखपुर विश्वविद्यालय

आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः
गोरखपुर विश्व विद्यालय

बैचलर आफ एजूकेशन

प्रमाणित किया जाता है कि भानु प्रताप सिंह (जवाहर लाल नेहरु स्मारक स्नातकोत्तर म० वि० महराजगंज-गोरखपुर ने इस विश्वविद्यालय से १९८१ की परीक्षा में बैचलर आफ एजूकेशन की उपाधि प्राप्त की।

इन्हें सिद्धान्त (थियरी) में प्रथम श्रेणी, प्रयोग (प्रैक्टिस) में प्रथम श्रेणी तथा × में विशेष योग्यता मिली।

गोरखपुर विश्वविद्यालय
विजयादशमी
दिनांक १८ अक्टूबर १९८१

प्रबन्धक
चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय
पद्म पुर - बाकख नगर बस्ती (यूपी.)

कुलपति

प्राचार्य
चौधरी चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय

क २०६४२

२३९

क्रमांक

गोरखपुर विश्वविद्यालय

आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः

गोरखपुर विश्वविद्यालय

बैचलर आफ एजूकेशन

प्रमाणित किया जाता है कि भानु प्रताप सिंह

(जवाहर लाल नेहरु स्मारक स्नातकोत्तर म० वि० महराजगंज-

गोरखपुर ने इस विश्वविद्यालय से १९८१ की परीक्षा में

बैचलर आफ एजूकेशन की उपाधि प्राप्त की ।

इन्हें सिद्धान्त (थियरी) में प्रथम श्रेणी, प्रयोग

(प्रैक्टिस) में प्रथम श्रेणी तथा

विशेष योग्यता मिली ।

गोरखपुर विश्वविद्यालय

विजयादशमी

दिनांक १८ अक्टूबर १९८१

प्रबन्धक

चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय

पद्मपुर - ... बस्ती (यू.पी.)

कुलपति

प्राचार्य

क्रमांक.........................

138

गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

1996 एम० एड० (नया पाठ्यक्रम) परीक्षा की अंकतालिका

अनुक्रमांक 105967 .... अभ्यर्थी का नाम भानु प्रताप सिंह .... पिता/पति का नाम श्री रमाशंकर सिंह .... नामांकन संख्या ....

	अनिवार्य प्रश्न-पत्र			वैकल्पिक प्रश्न-पत्र									शोध प्रबन्ध			मौखिक परीक्षा	सम्पूर्ण योग	परीक्षाफल
	शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार	शिक्षण एवं अधिगम का मनोविज्ञान	शैक्षिक अनुसंधान की विधियां	शैक्षिक प्राद्योगिकी	भारतीय शिक्षा का इतिहास एवं समकालीन समस्यायें	पाठ्यचर्या का विकास	शैक्षिक प्रशासन	शैक्षिकमापन मूल्यांकन एवं शैक्षिक सांख्यिकी	विशिष्ट शिक्षा	तुलनात्मक शिक्षा	अध्यापक शिक्षा	शैक्षिक एवं व्यवसायिक निर्देशन	बाह्य मू०	आन्त मू०	योग			उत्तीर्ण / अनुत्तीर्ण
	प्रथम प्रश्न-पत्र	द्वितीय प्रश्न-पत्र	तृतीय प्रश्न-पत्र															प्रथम श्रेणी
अधिकतम अङ्क	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100			100	100	700	
न्यूनतम अङ्क	36	36	36	36	36	36	36	36	36	36	36	36			36	36	252	
प्राप्तांक	65	68	66		56				66						68	70	459	

पूर्णाङ्क के 36 प्रतिशत अर्थात् 252 या इससे अधिक तथा मात्र एक प्रश्न पत्र में 30 या इससे अधिक अंक पाने पर उत्तीर्ण दो या दो से अधिक प्रश्न पत्रों में 36 से कम अंक पाने पर अनुत्तीर्ण

सम्पूर्ण योग शब्दों में चार सौ उनसठ मात्र

ह० लेखक ......

ह० पर्यवेक्षक (1) ......

(2) ......

दिनांक 14.3.97

प्रबन्धक
चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय
पड़म पुर-पाण्डवनगर बस्ती (यूपी.)

परीक्षा नियन्त्रक